amarujala.com/chandigarh

चंडीगढ़ | रविवार • 24.12.2023

my city अमर उजाला

किरण बेदी, हरियाणा की पहली उपायुक्त केशनी आनंद अरोड़ा समेत कई पूर्व स्टूडेंट पहुंचे

सालों बाद मिले यार; याद आई कैंपस की पांच पैसे वाली चाय, 35 पैसे वाला डोसा

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। पचास साल पहले पीयू से डिग्री और सपने लेकर निकले पुराने विद्यार्थी शनिवार को एकबार फिर जब विवि कैंपस पहुंचे तो पुरानी यादों में खो गए। पुरातन विद्यार्थियों ने पीयू में गुजरे अपने दिनों को याद किया। बताया कि 1960-70 के दशक में विवि कैंपस में स्टूडेंट सेंटर नहीं बना था। तब सेक्टर-14 के बाजार में केवल तीन दुकानें हुआ करतीं थीं। उस समय वहां पांच पैसे में चाय और 35 पैसे में डोसा मिलता था। सभी दोस्त खूब मस्ती करते थे।

पंजाब यूनिवर्सिटी में शनिवार को पहुंचे पुरातन विद्यार्थियों में देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी, हरियाणा की पहली उपायुक्त केशनी आनंद अरोड़ा, हरियाणा की पूर्व मुख्य सचिव मीनाक्षी आनंद चौधरी, चंडीगढ़ के पूर्व सांसद सत्यपाल जैन, 1973 गोल्डन बैच से अमृत लाल गर्ग, अमेरिका से डॉ. अरुण वर्मा, स्विट्जरलैंड से डॉ. विवेक आदि शामिल रहे। इन पुराने विद्यार्थियों ने पीयू को अपग्रेड करने की बात भी कही। कहा कि पहले देशभर के शीर्ष पांच-छह विश्वविद्यालयों में पीयू का नाम लिया जाता था, उस दौर को फिर से वापस लाना होगा।

पूर्व सांसद सत्यपाल जैन, केशनी आनंद, मीनाक्षी आनंद, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के प्रो. संजय चतुर्वेदी ने राजनीतिक विज्ञान की अपनी कक्षा में बैठकर बीते पलों को याद किया। स्टूडेंट सेंटर बंद होने से कई एलुमनी थोड़े निराश हुए क्योंकि वहां बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ बात करने का मौका नहीं मिला।

क्लासरूम में बैठकर याद किए पुराने दिन और किस्से सुनाए

जेल से छूटते ही दोस्तों से मिलने पहुंचा पीयू

पीयू में शिक्षकों ने जितना प्यार दिया उसने भविष्य बनाने में मदद की। मैं पहले दिन से हार्डकोर आरएसएस-बीजेपी समर्थक था लेकिन राजनीतिक विज्ञान विभाग में आकर मार्क्सवादी, कम्यूनिस्ट आदि सभी विचारधाराओं के बारे में पढ़ा। 1995 में जब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने पर पहली बार जेल जाना पड़ा तो वहां से पहला पत्र प्रो.पाम राजपूत को लिखा था। जब जेल से छूटकर आया तो सीधेआई से छुपकर पीयू आकर दोस्तों से मिला।

- सत्यपाल जैन, पूर्व विद्यार्थी, पूर्व सांसद

मैं आईआईटी कानपुर छोड़कर पीयू में पढ़ने आया था

आईआईटी कानपुर में मुझे दाखिला मिल रहा था, लेकिन पिताजी से कहकर पढ़ने के लिए पीयू आया। उस समय पीयू का नाम देश के शीर्ष चार-पांच विश्वविद्यालयों में था। 1966 बैच में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग से इंजीनियरिंग की और यहां से अपने भविष्य की नींव रखी। पीयू को अब आधारभूत संरचना से लेकर शिक्षा में बेहतर काम करने की जरूरत है। - **डॉ. अरुण वर्मा, व्यवसायी, अमेरिका**

पंजाब यूनिवर्सिटी के राजनीतिक विज्ञान विभाग में आयोजित एलुमनाई मीट के दौरान शहर के पूर्व सांसद सत्यपाल जैन के साथ अपने क्लासरूम में बैठे पीयू के पूर्व छात्र। इस दौरान खूब ठहाके लगे। अमर उजाला

चंडीगढ़ भास्कर

चंडीगढ़, रविवार 24 दिसंबर, 2023 पंचकूला मोहाली

• पीयू ग्लोबल एल्युमनी मीट में पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट की तस्वीर

ये सारे इसी क्लासरूम से पढ़कर निकले

चंडीगढ़ | पीयू की ग्लोबल एल्युमनी मीट का उद्घाटन शनिवार को पीयू के चांसलर व वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़ ने किया। इस मौके पर देश-दुनिया में मुकाम बना चुकी पीयू की एल्युमनीज मौजूद थीं। खास मौका तब बना जब पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट के अलग-अलग बैच के एल्युमनी उस क्लासरूम में पहुंचे जहां से पढ़कर निकले थे। क्लासरूम की कुर्सियों में बैठकर पुरानी यादें ताजा की।

• **पहली कतार में**- खुशबू महाजन, डॉ. नवजोत, डॉ. पॉम्पा मुखर्जी, डॉ. भूपिंदर बराड़, सत्य पाल जैन, डॉ. रौणकी राम, वरिंदर कुमार वर्मा
• **दूसरी कतार में**- केशनी आनंद, उर्वशी गुलाटी, डॉ. धर्मवीर, संजीव नागपाल, तरलोचन सिंह, डॉ. संजय चतुर्वेदी, रजनीश सरयाल
• **आखिरी कतार में**- डॉ. आशुतोष, डॉ. नवप्रीत, डॉ. किरणदीप कौर। **(संबंधित खबर** | पेज 6 पर) • फोटो भास्कर

चंडीगढ़ | रविवार • 24.12.2023

my city अमर उजाला

मैं तो बैक बेंचर होता था, आगे क्यों बिठा रहे हो...

'मैं तो बैक बेंचर होता था, मुझे आगे क्यों बिठा रहे हो...' पीयू के पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट में आयोजित एलुमनीई मीट के दौरान क्लास रुम में ग्रुप फोटो के समय पहुंचे पूर्व छात्र सत्यपाल जैन ने जब यह शब्द कहे तो खूब ठहाके लगे। अमर उजाला